दातार सांवरा | By Poonam Shukla

सांवरिया दरबार की सदियों से यही दस्तूर है
कोई ना लौटा खाली यहाँ से बाबा देता ज़रूर है

ख्वाइश की जिसने घर की उसे दे दिया महल दुमहला
बच्चों ने Division जो माँगा दे दिया नंबर पहला
सबकी बातें ध्यान से सुनता फिर करता मंज़ूर है
कोई ना लौटा खाली यहाँ से बाबा देता ज़रूर है

कोई मांगता Business की रफ़्तार मेरी बढ़ जाए
कोई कहता बाबा सूनी गोद मेरी भर जाए
सबकी झोलियाँ भरता पल में ऐसा इसका नूर है
कोई ना लौटा खाली यहाँ से बाबा देता ज़रूर है

मांग ले तू भी जाके कुंदन सेठ है ये दातारी
मन की मुरादें पूरी करता कलयुग का अवतारी
सुनता उसकी आया बाबा जो जग से मजबूर है
कोई ना लौटा खाली यहाँ से बाबा देता ज़रूर है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%a4%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%be-by-poonam-shukla/